साप्ताहिक
Live not just breaTHE

दि कार्मिक पोस्ट

MPHIN/2015/63220
MP/IDC1528/22-23

Global School Of Excellence, Obedullaganj

Email- thekaarmiicpost@gmail.com

वर्ष : 11, अंक : 8 (प्रति बुधवार), इन्दौर, 24 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 पेज : 8 कीमत : 3 रुपये

कितना खतरनाक है आर्कटिक में लगातार बर्फ का कम होना, क्या कहते हैं नए आंकड़े?

न्यूयार्क। नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के अनुसार, 10 सितम्बर 2025 को आर्कटिक में जमा समुद्री बर्फ का विस्तार महज 46 लाख वर्ग किलोमीटर रह गया। रिकॉर्ड पर देखें तो यह दसवां मौका है जब आर्कटिक में जमा बर्फ इतनी कम दर्ज की गई है आर्कटिक में बर्फ का सबसे छोटा विस्तार 2012 में रिकॉर्ड किया गया था।

अनुमान है कि आर्कटिक दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में करीब चार गुना तेजी से गर्म हो रहा है।गर्मियों के अंत के साथ ही आर्कटिक में बर्फ का विस्तार इस साल के अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के अनुसार, 10 सितम्बर 2025 को आर्कटिक में जमा समुद्री बर्फ का विस्तार महज 46 लाख वर्ग किलोमीटर रह गया। रिकॉर्ड पर देखें तो यह दसवां मौका है जब आर्कटिक में जमा बर्फ इतनी कम दर्ज की गई है, जो करीब-करीब 2008 के बराबर है। वैज्ञानिक बताते हैं कि हर साल सर्दियों में यहां बर्फ जमती है और गर्मियों में पिघल जाती है। लेकिन पूरी तरह से कभी खत्म नहीं होती। यह चक्र लगातार चलता रहता है। आमतौर पर सितंबर में बर्फ का विस्तार सबसे कम होता है। हालांकि आंकड़ों के मुताबिक इस बार न्यूनतम रिकॉर्ड तो नहीं बना, लेकिन बर्फ में गिरावट का रुझान लगातार जारी है। नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के क्रायोस्फेरिक साइंसेज लैब के प्रमुख वैज्ञानिक नाथन कुर्ट्ज का प्रेस विज्ञप्ति में कहना है, इस साल का स्तर भले ही नया रिकॉर्ड न हो, लेकिन यह गिरावट की दिशा को ही दिखाता है। गौरतलब है कि नासा और अमेरिकी एजेंसी एनओएए के वैज्ञानिक 1978 से इस पर नजर रख रहे हैं। उनके अनुसार, बढ़ते वैश्विक तापमान की वजह से तब से अब तक समुद्री बर्फ का क्षेत्र लगातार घटता जा रहा है। गौरतलब है कि आर्कटिक में बर्फ का सबसे छोटा विस्तार 2012 में रिकॉर्ड किया गया था। कोलोराडो विश्वविद्यालय, बोल्डर स्थित नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर से जुड़े वैज्ञानिक वॉल्ट मेयर के अनुसार, यह गिरावट बढ़ते तापमान और असामान्य मौसम पैटर्न, दोनों के कारण हुई थी। इस साल की स्थिति भी शुरूआत में 2012 जैसी ही लग रही थी। हालांकि अगस्त की शुरुआत में पिघलने की रफ्तार धीमी हो गई, लेकिन यह इतना नहीं था कि बर्फ घटने की साल दर साल जारी गिरावट को रोक सके। वैज्ञानिक वॉल्ट मेयर के मुताबिक, पिछले 19 सालों से आर्कटिक महासागर में बर्फ का न्यूनतम क्षेत्र 2007 से पहले के स्तर से कम ही रहा है। यह सिलसिला 2025 में भी जारी है। इस साल की शुरुआत में ही आर्कटिक में जमा बर्फ में भारी कमी देखी गई थी। 1981 से 2010 के औसत से तुलना करें तो जनवरी 2025 में समुद्री बर्फ का विस्तार 12.9 लाख वर्ग किलोमीटर कम था। यह दूसरा मौका था जब जनवरी में आर्कटिक में जमा समुद्री बर्फ का विस्तार इतना कम दर्ज किया गया है। इससे पहले जनवरी 2018 में समुद्री बर्फ का विस्तार इससे कम था। इस दौरान ग्रीनलैंड के आसपास के क्षेत्रों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक गर्म था।उत्तरी और दक्षिणी दोनों ध्रुवों पर 19वीं सदी के उत्तरार्ध से तापमान करीब तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। देखा जाए तो तापमान में हो रही यह वृद्धि वैश्विक औसत की तुलना में कहीं अधिक है। अनुमान है कि आर्कटिक दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में करीब चार गुना तेजी से गर्म हो रहा है। मानव गतिविधियों से उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसों की वजह से ग्लोबल वार्मिंग का असर आर्कटिक में पहले ही दिखाई देने लगा था, लेकिन हाल के वर्षों में यहां की जलवायु में बदलाव कहीं ज्यादा तेज और स्पष्ट हो गया है। अमेरिका के नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने पुष्टि की है कि पिछले साल आर्कटिक की सतह का तापमान अब तक का दूसरा सबसे गर्म रिकॉर्ड किया गया था। दुनिया में बढ़ते तापमान के साथ-साथ ध्रुवों पर जमा बर्फ तेजी से पिघल रही है।

इसकी वजह से समुद्र कहीं ज्यादा गर्मी सोख रहे हैं। नतीजन हवा गर्म हो रही है, जो बर्फ को कहीं अधिक पिघलने में मदद कर रही है। नतीजन आर्कटिक क्षेत्र तेजी से गर्म हो रहा है। 2023 में जारी एक अध्ययन से पता चला है कि आर्कटिक में गर्मियों के दौरान जमा बर्फ की परत 2030 तक गायब हो सकती है। मतलब की यह अनुमान से एक दशक पहले ही गायब हो जाएगी। यह किसी त्रासदी से कम नहीं। वैज्ञानिकों ने अंदेशा जताया है कि उत्सर्जन में गिरावट भी इसे बदल नहीं पाएगी। वैज्ञानिकों ने यह भी दावा किया है कि अगले एक दशक से भी कम वक्त में आर्कटिक क्षेत्र पहली बार %बर्फ मुक्त% हो सकता है, इसका मतलब है कि हम आर्कटिक में नई बदलती जलवायु के गवाह बनने वाले हैं। अध्ययन के मुताबिक 2050 तक आर्कटिक में दिखने वाली बर्फ, गर्मियों के मौसम में पूरी तरह गायब हो जाएगी। इस तेजी से पिघलती बर्फ का सीधा असर आर्कटिक में रहने वाली प्रजातियों पर पड़ रहा है। ध्रुवीय भालु भी इन्हीं प्रजातियों में से एक हैं, जिन्हें अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए समुद्री बर्फ की आवश्यकता होती है। लेकिन जैसे-जैसे बर्फ घट रही है, इन जीवों के लिए अपने अस्तित्व को बचाए रखना मुश्किल हो रहा है। एक अन्य रिसर्च से पता चला है कि जैसे-जैसे आर्कटिक क्षेत्र गर्म हो रहा है, ध्रुवीय भालुओं के वायरस, बैक्टीरिया और परजीवियों से संक्रमित होने का खतरा भी बढ़ रहा है।

ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

इंदौर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि हर व्यक्ति को स्वच्छता के साथ जुड़ना चाहिये। स्वच्छता हमारी आदतों में और दिनचर्या में शमिल हो। हर नागरिक का कर्त्तव्य है कि वे ना तो वह स्वयं गंदगी करें और दूसरों को भी नहीं करने दे। उन्होंने कहा कि एमवाय अस्पताल में अंदर और बाहर दोनों ओर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाये। इस संबंध में उन्होंने अस्पताल प्रबंधन और जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि एमवाय अस्पताल के विकास में राज्य सरकार द्वारा पूरी मदद दी जायेगी।

स्वदेशी ही था राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के अंग्रेजों से संघर्ष का मूल - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वदेशी अपनाने के लिए प्रदेशवासियों को किया प्रेरित

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वाधीनता संग्राम के अमर बलिदानी राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी, उसका मूल %स्वदेशी% ही था। देश में हमारा अपना शासन और कानून होना चाहिए, इस भाव ने ही जनजातीय वीरों को विदेशी ताकतों से संघर्ष के लिए प्रेरित किया। वे अंग्रेजों के आगे कभी झुके नहीं और पिता-पुत्र (राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह) की जोड़ी ने एक लक्ष्य के लिए लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया और वे अमर हो गए। राज्य सरकार ने उनके बलिदान स्थल को स्मारक के रूप में विकसित किया है। अपनी संस्कृति के लिए प्रतिबद्ध राजा शंकर शाह अपने संस्कारों पर सदैव अडिग रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के 168वें बलिदान दिवस पर गुरूवार को जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों अमर बलिदानियों को नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह दोनों पिता पुत्रों ने रानी दुर्गावती की परम्परा को कायम रखते हुए अंग्रेजों के खिलाफ कविता के माध्यम से आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजों के सामने सीना ठोककर जंगल, जमीन और अपने राष्ट्र को बचाने के लिए गीतों की रचना की। अंग्रेज उनके विद्रोह को बर्दाश्त नहीं कर पाये और कायरता का परिचय देते हुए उन्हें तोप के मुंह पर खड़ा कर उड़ा दिया गया। अंग्रेजों ने दोनो पिता-पुत्रों को बंदी बनाकर बगैर कोई मुकदमा चलाये उन्हें तोप से उड़ाने का काम किया था। अंग्रेजों ने उनके सामने धर्म बदलने, अंग्रेजी सत्ता को स्वीकार करने और माफी मांगने की शर्त रखी और इसे मान लेने पर उनकी रिहाई के लिए तैयार थे। लेकिन दोनों पिता-पुत्रों ने अंग्रेजों के इस प्रस्ताव को बहादुरी के साथ ठुकरा दिया और कहा कि तोप से उड़ाने के बाद भी यदि वे बच गये तो फिर से अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ गीत लिखेंगे और अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए विद्रोह करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में जन्म और मृत्यु एक बार आती है, लेकिन देश की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले शहीद हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ऐसे ही शहीद हैं जो हमेशा के लिए अमर हो गये हैं। उनका बलिदान हमें देश सेवा और देश की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से उनके बलिदान दिवस पर मैं उन्हें नमन करता हूं और प्रणाम करता हूं। मां नर्मदा की पवित्र नगरी में गोंडवाना साम्राज्य के अमर शहीदों को स्मरण कर मैं स्वयं भी गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी अपनाने का अभियान चल रहा है, विकसित भारत का मार्ग स्वदेशी से होकर गुजरता है। प्रदेश में बहनों ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की अनोखी मिसाल प्रस्तुत की है। हमारे गांव आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के श्रेष्ठ उदाहरण रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %गर्व से कहो हम स्वदेशी अपनाएंगे% के उद्घोष के साथ उपस्थित जनसमुदाय को दैनिक उपयोग की स्वदेशी सामग्री अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राचीनकाल से महकौशल, महावीरों की धरती रही है, जो राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह और राना दुर्गावती जैसी महान विभूतियों के बलिदान को समेटे हुए है। जबलपुर की धरा जनजातीय वीरों के रक्त से सिंचित हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए शाह वंश का अदम्य साहस, अमर शौर्य और अद्वितीय बलिदान सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मां भारती के चरणों में बलिदान देने वाले महावीर होते हैं। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। यही त्याग आने वाली पीढ़ियों के हृदय में राष्ट्रभक्ति की पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित करता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कल प्रदेश के जनजातीय अंचल (धार) में अपना जन्म दिवस मनाकर प्रदेश को धन्य किया है। केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय भाई-बहनों के कल्याण के लिए संकल्पित हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश के कपास उत्पादक किसानों को %पीएम मित्र पार्क% की सौगात दी है। माता-बहनों-बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए सरकारी खजाने में कोई कमी नहीं है। हमारे लिए मां, बहन, बेटियों का सम्मान और उनका स्वास्थ्य सर्वोपरि है। समय पर बीमारी की जांच हो जाए तो जान बच सकती है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि माताएं-बहनें स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान अंतर्गत आयोजित शिविर में स्वास्थ्य जांच कराने के लिए आगे आएं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रतिबद्धता के अनुरूप राज्य सरकार पूर्ण समर्पण, सक्रियता और संवेदनशीलता के साथ इस दिशा में गतिविधियां संचालित करने के लिए तत्पर है। प्रदेश में स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के साथ स्वच्छता का संकल्प भी लिया गया है।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कार्यक्रम में पधारे सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सांसद श्री आशीष दुबे, राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, विधायक श्री अशोक रोहाणी, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू भैया जनप्रतिनिधि सहित नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा पखवाड़ा के दौरान नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इन्फॉर्मेशन सेंटर में लगी स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व सहायता समूहों के विभिन्न स्टॉलों में जाकर लखपति दीदियों द्वारा निर्मित उत्पादों को देखा और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने देशी कुल्लड़ में चाय की चुस्की भी ली। स्वदेशी अभियान अंतर्गत जिला पंचायत, जिला उद्योग केन्द्र, नगर निगम तथा स्मार्ट सिटी द्वारा %स्वदेशी उत्पादों से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम% थीम पर स्व-सहायता समूह की लखपति दीदियों द्वारा हाथ से बनाये विभिन्न उपयोगी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वदेशी अभियान से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम की सराहना कर इसे और व्यापक रूप देने की बात कही, जिससे आमजन स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ें।

चमोली में बादल फटने से 12 मकान तबाह, 10 लोग मलबे में दब गए

देहरादून उत्तराखंड में देहरादून के बाद अब चमोली जिले में बुधवार देर रात लगभग 2:30 बजे नंदानगर क्षेत्र के फाली कुंतरी, सैंती कुंतरी, भैंसवाड़ा और धुर्मा गांवों के ऊपर पहाड़ी पर बादल फटने से भारी तबाही मच गई। कम से कम 10 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

चमोली जिले के ग्राम कुंतरी लंगाफली में बादल फटने से 10 लोग लापता हो गए हैं, जिनमें कुंवर सिंह (42), उनकी पत्नी कांता देवी (38), दोनों पुत्र विकास और विशाल (10-10 वर्ष), नरेंद्र सिंह (40), जगदम्बा प्रसाद (70), उनकी पत्नी भागा देवी (65) और देवेश्वरी देवी (65) शामिल हैं। आशंका है कि सभी मलबे में दबे हुए हैं। वहीं, दुर्गा गाँव से भी दो लोगों के लापता होने की खबर है, इनमें गुमान सिंह (75) और ममता देवी (38) शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मलबा आने से 12 मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गए। अकेले कुंतरी लंगाफली वार्ड में 6 मकानों के मलबे में दबने की सूचना है। हादसे में 10 लोग लापता बताए जा रहे हैं, जबकि 2 लोगों को जीवित बचा लिया गया है। कई जगहों पर घरों का नामोनिशान तक नहीं बचा और लोग बेघर होकर सड़कों पर निकल आए। जिला प्रशासन के मुताबिक, क्षेत्र की अधिकांश सड़कों को नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। तहसीलदार राकेश देवली ने बताया कि प्रशासन की टीम प्रभावित इलाकों में भेज दी गई है। एसडीआरएफ की टीम नंदप्रयाग पहुंच चुकी है, जबकि एनडीआरएफ की टीम गोचर से नंदप्रयाग के लिए रवाना हो गई है। सीएमओ कार्यालय ने बताया कि मौके पर मेडिकल टीम और तीन 108 एम्बुलेंस भी भेजी गई हैं। नंदानगर तहसील के धुर्मा गांव में भी भारी बारिश से 4-5 मकानों को नुकसान हुआ है। वहीं, मोक्ष नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से लोगों में दहशत है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में नदी के उफान, मलबे और टूटी सड़कों का भयावह मंजर दिखाई दे रहा है। ज़िला अधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि अब तक 10-12 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और यह संख्या और बढ़ सकती है। कई दुकानें भी प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा, हम जेसीबी की मदद से सड़कों को खोलने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि अगले 30-45 मिनट में राहत दल प्रभावित इलाकों तक पहुंच जाएंगे। राहत केंद्रों की पहचान कर ली गई है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के बाल्यकाल की परिस्थितियों पर एक आदर्श फिल्म है चलो जीते हैं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की फिल्म चलो जीते हैं की मुक्त कंठ से सराहना

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बाल्यकाल की परिस्थितियों पर एक आदर्श फिल्म है, जो अतीत से वर्तमान में लाकर छोड़ती है। आधे घंटे की अवधि में फिल्म कथा सार को समेटना एक अद्भुत प्रयोग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सिनेपोलिस बंसल प्लाजा, भोपाल में चलो जीते हैं फिल्म का शो देखने के बाद मीडिया से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुक्त कंठ ने फिल्म की सराहना की। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री भगवानदास सबनानी, पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस तथा बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की जन्म वर्षगांठ के अवसर पर 18 से 24 सितंबर तक पूरे प्रदेश में फिल्म चलो जीते हैं का प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के बाल्यकाल और जीवन पर केंद्रित फिल्म के सेवा पखवाड़े के अंतर्गत संगठन द्वारा प्रदेश भर में प्रदर्शन की पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फिल्म देखने के बाद कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 17 सितंबर को मध्यप्रदेश के जनजाति बहुल धार जिले में अपना 75वां जन्मदिवस मनाया। राष्ट्र नायक श्री मोदी का गौरव पक्ष और शालीन पक्ष इस फिल्म में देखने को मिलता है। चलो जीते हैं फिल्म में श्री मोदी ने ध्येय वाक्य चलो जीते हैं को लेकर कठिनाइयों के बीच जीते हुए अपने जन्म और जीवन को सिद्ध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोयले की खदान से हीरा निकले तो खदान धन्य हो जाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने जीवन में अन्य परेशानियां झेलते हुए अपने साथी विद्यार्थी को भी सहारा दिया। वे किस तरह युक्ति निकालते हैं, आज यह दुनिया के सामने है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दीर्घायु और शतायु होने की कामना की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है। वर्ष 2019 तक वे और भी शक्तिशाली बनकर पूरे विश्व को संदेश देंगे। भारत विश्व में सिरमौर बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज के समय में नई तकनीक और बड़े खर्चे से फिल्में बनती हैं, लेकिन इस शॉर्ट फिल्म में सीमित साधनों के उपयोग से अल्प अवधि में बिना मध्यांतर की फिल्म बनाकर फिल्म का मूल कथा पक्ष दृढ़ इच्छा शक्ति का फिल्मांकन बखूबी किया गया है। इस नाते फिल्म निर्माण में यह नया प्रयोग भी है। फिल्म अतीत का वर्तमान से तादात्म्य मिलाकर मोदी जी के पूरे जीवन पर प्रकाश डालती है। इसके लिए फिल्म निर्माता बधाई के पात्र हैं। इस शॉर्ट फिल्म को सभी नागरिकों को देखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चलो जीते हैं वर्ष 2018 में बनी एक शॉर्ट फिल्म है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बचपन से प्रेरित है। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार्स वाली कमर्शियल मूवी नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक लघु फिल्म है। फिल्म के निर्देशक श्री महावीर जैन, निर्माता श्री भूषण कुमार, महावीर जैन हैं। फिल्म की कहानी एक छोटे बालक की है जो अपने जीवन में दूसरों की सेवा और देशभक्ति को सबसे बड़ा धर्म मानता है। फिल्म में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बचपन से जुड़े आदर्श और संस्कारों को दर्शाया गया है। फिल्म चलो जीते हैं में बड़े स्टार कलाकार नहीं हैं बल्कि ज्यादातर नए कलाकारों ने काम किया है। इस फिल्म में बालक नरेन्द्र (नन्हें मोदी) की मुख्य भूमिका में समर्थ शुकला, नरेन्द्र के मित्र के रूप में राहुल पटेल, बाल कलाकार आरोही राय और आदित्य शामिल हैं। यह फिल्म मुख्यत: बाल नरेन्द्र मोदी के विचारों और समाजसेवा की सोच पर केंद्रित है, इसलिए इसमें स्टार कॉस्ट से ज्यादा संदेश और प्रेरणा पर जोर दिया गया है। फिल्म 6 वर्ष बाद रिलीज हुई है।

देवी अहिल्या बाई की परंपरा और विरासत को आगे बढ़ाएगा धार का पीएम मित्र पाक

इंदौर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश को बड़ी सौगात मिली है। धार की धरती पर बनने वाले देश के पहले और सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क से देश की अर्थव्यवस्था को नया आधार मिलेगा। यह पार्क पूरे मध्यप्रदेश के विकास को नई गति देगा और यहां होने वाले निवेश से प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश करेगी। मध्यप्रदेश विकास की नई इबारत भी लिखेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कपड़ा उद्योग से ही देश के विकास को नई मजबूती मिलेगी। पीएम मित्र पार्क देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में नए ट्रांसफार्मेशन की राह खोलेगा। उन्होंने कहा कि हम देश में 7 पीएम मित्र पार्क स्थापित करने जा रहे हैं और इनके जरिए हम भारत को विश्व का टेक्सटाईल-हब बनाएंगे। इन पीएम मित्र पार्कों में बुना जाने वाला धागा, सिर्फ किसानों का ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास का नया ताना-बाना बुनेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी बुधवार को धार जिले की बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने यहां पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास किया साथ ही राष्ट्रीय स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार महाअभियान, आठवें राष्ट्रीय पोषण माह, आदि सेवा पर्व का शुभारंभ कर सुमन सखी चैटवॉट को लॉंच किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत देशभर की 15 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को 450 करोड़ रूपए से अधिक की प्रसूति सहायता राशि सिंगल क्लिक के जरिए उनके खाते में अंतरित की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक बगिया मां के नाम अभियान के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की दीदी श्रीमती लक्ष्मी डोडियार को अमरूद का पौधा भेंट किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत सुश्री आराधना कलमी को 1 करोड़वां सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग कार्ड प्रदान किया। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार महाअभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक देशभर में 1 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर उपस्थित रहीं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत सिर्फ हमारा संकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत के सुनहरे भविष्य के निर्माण का यज्ञ है। यह यज्ञ तभी पूर्ण होगा जब इसमें सबकी आहुति और सबका योगदान शामिल होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि सबके साथ से हम सबके विकास के लिए संकल्पित हैं। पिछले 11 वर्ष जनकल्याण को समर्पित रहे। गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी इष्ट-पूजा और मेरा प्रण है। हमारे समर्पित प्रयासों से पिछले 11 साल में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी के जीवन से बाहर आए हैं, जिससे पूरे समाज को एक नया आत्मविश्वास मिला है, यही हमारा ईनाम भी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश सरकार की प्रगतिशीलता और अवसर का भरपूर लाभ उठाने की उदात्त मंशा की सराहना करते हुए कहा कि धार का यह पीएम मित्र पार्क आने वाले समय में दूसरे राज्यों के लिए एक नज़ीर बनेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ाना चाहिए। इसी से हमारे किसानों, काश्तकारों और श्रमिकों के जीवन में समृद्धि आयेगी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वदेशी को ही आजादी का हथियार बनाया था। अब हमें इसे विकसित भारत का आधार बनाना है। इसलिए हम छोटी-बड़ी जो भी चीजें खरीदें, सबसे पहले देखें कि क्या यह देश में बनी है या नहीं। देश का पैसा देश में रहेगा, तो विकास को नई गति मिलेगी। यही पैसा देश के विकास और गरीब कल्याण की योजनाओं में काम आता है। देश के मध्यम वर्ग के सपनों को पूरा करने के लिए बहुत धन की जरूरत है। स्वदेशी से पैदा होने वाले रोजगार का लाभ युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से पूरे देश में जीएसटी की नई दरें लागू होने जा रही हैं। राज्य सरकारें इसके लिए स्वदेशी जागरण अभियान चलाएं जिससे नागरिक स्वदेशी वस्तुएं खरीदकर इसका भरपूर लाभ उठा सकें।

उठने लगी तबाही की लहरें, बुलेट ट्रेन से भी ज्यादा गति से दौड़ रहा है सुपर टाइफून तूफान

वॉशिंगटन फिलिपींस, ताइवान और चीन में सुपर टायफून 'रागासा' का खतरा मंडरा रहा है। सोमवार दोपहर, तूफान फिलिपींस के कगायन प्रांत के पनुइतान द्वीप से टकराया। इसकी वजह से कई जगहों पर बिजली आपूर्ति ठप हो गई और अपायाओ प्रांत में पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया।

अब यह तूफान बुलेट ट्रेन से भी ज्यादा गति से ताइवान और हांग कांग की तरफ बढ़ रहा है। ऊंची लहरें भी उठती नजर आ रही हैं। तूफान ताइवान और हांगकांग के दक्षिणी हिस्सों की ओर बढ़ रहा है। ताइवान के तैतुंग और पिंगतुंग काउंटी में स्कूल और दफ्तर बंद कर दिए गए। कई द्वीपों के लिए उड़ानें और फेरी सेवाएं भी रद्द की गईं। चीन के दक्षिण-पूर्वी प्रांत फुजियान और गुआंगदोंग में बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। शेन्जेन शहर से करीब 4 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाने की योजना है। मंगलवार रात से शेन्जेन हवाई अड्डे पर उड़ानें रोक दी जाएंगी। हांगकांग में मंगलवार शाम 6 बजे के बाद हवाई सेवाओं पर असर पड़ेगा और 500 से ज्यादा उड़ानें रद्द होने की संभावना है। सोमवार को आए इस भीषण तूफान ने हजारों लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचने के लिए मजबूर कर दिया। स्कूल, दफ्तर और हवाई सेवाएं बंद कर दी गईं, जबकि तटीय इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है। फिलिपींस मौसम एजेंसी के मुताबिक, रागासा की रफ्तार 215 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई, जबकि झोंकों की रफ्तार 295 किलोमीटर प्रति घंटा तक रही। इतना तेज तूफान फिलिपींस में 'सुपर टायफून' की श्रेणी में रखा जाता है।राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने राजधानी मनीला समेत उत्तरी लूजोन के 29 प्रांतों में सरकारी कामकाज और कक्षाएं निलंबित कर दीं। अब तक 8,200 से अधिक लोगों को कगायन से सुरक्षित निकाला गया है, जबकि 1,200 से ज्यादा लोग इमरजेंसी शेल्टर में पहुंचे। फिलिपींस में घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं

और मछली पकड़ने वाली नौकाओं व फेरी सेवाओं को समुद्र में उतरने से रोक दिया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि अगले 24 घंटे में 3 मीटर से ज्यादा ऊंची लहरें आ सकती हैं, जो तटीय गांवों के लिए तबाही साबित होंगी। वहीं, मकाऊ और हांगकांग में सभी स्कूल दो दिन तक बंद रहेंगे। यह तूफान इस साल फिलिपींस में आने वाला 14वां बड़ा मौसमीय संकट है। चीन के मौसम विभाग का अनुमान है कि रागासा गुआंगदोंग प्रांत में एक से ज्यादा बार लैंडफॉल कर सकता है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से कहा है कि वे जरूरी सामान जमा कर लें, खिड़कियां-दरवाजे मजबूत करें और अंडरग्राउंड इलाकों को खाली कर दें। तूफान के असर से अगले दो दिनों तक फिलिपींस, ताइवान, हांगकांग और चीन के कई तटीय शहरों में भारी तबाही की आशंका जताई जा रही है।

तापमान में दो डिग्री के इजाफे से कुपोषण की चपेट में होगी अफ्रीका की आधी आबादी- सीएसई रिपोर्ट

केन्या सीएसई रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक तापमान में दो डिग्री की वृद्धि से अफ्रीका की आधी आबादी कुपोषण की चपेट में आ सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि पैदावार में भारी गिरावट की आशंका है, जिससे खाद्य सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। अनुमान है कि सहारा के दक्षिणी हिस्सों में 2050 तक मक्के की पैदावार 22 फीसदी तक घट सकती है। वहीं जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में यह गिरावट 30 फीसदी से भी ज्यादा होने का अंदेशा है। रिपोर्ट ने यह भी चेताया है कि महासागरों का गर्म होना और अम्लीयकरण अफ्रीका के समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है, जिस पर तटीय इलाकों के करोड़ों लोग पोषण के लिए निर्भर हैं। दुनिया में बढ़ते तापमान के साथ जलवायु में आ रहा बदलाव अफ्रीका की खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) ने अपनी नई रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ अफ्रीकाज एनवायरमेंट 2025' में चेताया है कि अगर वैश्विक तापमान दो डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करता है तो अफ्रीका की आधी से ज्यादा आबादी कुपोषण की चपेट में आ सकती है। 18 सितंबर 2025 को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में जारी इस रिपोर्ट के मुताबिक अफ्रीका में कृषि प्रणाली पहले ही जलवायु परिवर्तन के चलते भारी दबाव है और आने वाले दशकों में कृषि पैदावार में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक अफ्रीका का करीब 70 फीसदी हिस्सा छोटी जोतों और कृषि पैदावार के लिए बारिश पर निर्भर है। आशंका है कि इस पर पर जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन पर बने अंतरसरकारी पैनल (आईपीसीसी) का भी अनुमान है कि सहारा के दक्षिणी हिस्सों में 2050 तक मक्के की पैदावार 22 फीसदी तक घट सकती है। वहीं जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में यह गिरावट 30 फीसदी से भी ज्यादा होने का अंदेशा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सोनल मेहता केलिए प्रतीक्षा ग्राफिक्स, 127 देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 209-बी शहनाई रेसीडेंसी-2 कनाड़िया रोड इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक: डॉ. सोनल मेहता फोन : 0731-2595008 Mail.sonal12mehta@yahoo.co.in 9755040008